श्री राज राजे     श्वर्यै नमः



# श्री दुर्गा पूजा

## प्रभात मण्डली श्री चक्रेश्वरी
## हारी पर्वत

सम्पादक-

**जानकीनाथ शर्मा**

मलिक आंगन फतेकदल

श्रीनगर 'कश्मीर'

प्रथमावृत्तिः १०००     मूल्यः १रु

Printed At: Royal Book Binding House
Branch: Bansi Art Press
Sathu Barbarshah Srinagar
(Kashmir)

ॐ

॥ स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ गौरी पुत्रं त्रिनेत्रं गजमुख सहितं नागयज्ञोपवीतं।
पद्माक्षं सर्व भक्ष्यं सकल जनप्रियं सर्व गन्धर्व पूज्यम्॥
संपूर्णं भालचन्द्रं वरदमतिबलं हन्तृकं चासुराणां।
हेरम्बमादिदेवं गजपतिममलं सिद्धिदातार मीडे॥१॥
ॐ जेतुं यस्त्रिपुरं हरेण हरिणा व्याजाद्बली बन्धने।
स्रष्टुं वारिरुहोद्भवेन विधिना, शेषेण धर्तुं धरां।
पार्वत्या महिषासुर प्रमथने सिद्धाधिपैर्मुक्तये॥
ध्यातः पञ्चशरेण लोकविजये पायात्स नागाननः॥२

ॐ नमस्त्रिपुर सुन्दर्यै॥

ॐ आनन्द सुन्दर पुरन्दर मुक्त माला,
मौलौ हठेन निहितं महिषासुरस्य।
पादाम्बुजं भवतु मे विजयाय मञ्जु,
मञ्जीर शिञ्जित मनोहरमम्बिकायाः॥३
सौन्दर्य विभ्रम भुवो भुवनाधिपत्य,
सम्पत्ति कल्पतरवस्त्रिपुरे! जयन्ति।
एते कवित्व कुमुद प्रकरावबोध
पूर्णेन्दवस्त्वयि जगज्जननि! प्रणामः॥४

## اُدم سوسنہ نثری گنیشایہ نمہ

اُدم گوری پوترم ترنیرم گجہ شوکہ سہتم ناگ یگنیو پویتم
پدماکیم سرد بکشم سکلہ بوتنہ پریم سرد گندرو پوجتم۔
سمپورنم بھال چندرم ورد ہستہ بلم ہنترہ کم چا سورانام
ہیرم بم آدِ دیوم گنہ پتیہ مملم سدیہ داتارم ایڈے۔ (۱)
اُدم جے توم لیس ترد پڑم ہرینہ ہرنیا دیاجات بلی بند ھنے
سرشٹم دارِ ڈیہو۔۔ بھو بینہ ردِ ھنا شے شینہ دھرتم دھرام
پار وتنیا نہنشا سور پر ستھنے سیدھا دپے ہمگنتے۔
دیا توا پنچ سشربینہ لوک دجیۓ پاپات سہ ناگا نہنا (۲)

اُدم نمس ترپور سندری

ادم آنند سندر پیرن در موخنہ مالام
مولو پیٹنہ نہیتم مہشا سرس سے
پادام بُوجم بو نوڈے دھیایہ منجو
منجیر سنج ھتہ منو ہرم امبکا یا ۱۱ (۳)
سندر دے برم بھو نھو نا پیتے
سمیتہ کلو تردس ترپری جینتے
اے تے کو دیتو نمودہ پرکرام دلبود
چدرنیہ دس توسے حکلت بلندی برغاہ

ॐ

# श्रीअम्बस्तवः

यामाऽऽमनन्ति मुनयः प्रकृतिं पुराणीं,
विद्येति यां श्रुतिरहस्यविदो वदन्ति।
तामर्धपल्लवितशङ्कररूपमुद्रां,
देवीमनन्यशरणः शरणं प्रपद्ये॥
॥५॥

अम्ब! स्तवेषु तव तावदकर्तृकानि,
कुण्ठीभवन्ति वचसामपि गुम्फनानि
डिम्भस्य मे स्तुतिरसावसमञ्जसाऽपि
वात्सल्यनिघ्नहृदयां भवतीं धिनोति
॥६॥

व्योमेति बिन्दुरिति नाद इतीन्दुलेखा,
रूपेति वाग्भवतनूरिति मातृकेति।
निःष्यन्दमानसुखबोधसुधास्वरूपा,
विद्योतसे मनसि भाग्यवतां जनानाम्
॥७॥

आविर्भवत्पुलकसन्ततिभिः शरीरैः,
निष्यन्दमानसलिलैर्नयनैश्च नित्यम्।
वाग्भिश्च गद्गदपदाभिरुपासते ये,
पादौ तवाम्ब! भुवनेषु त एव धन्याः॥
॥८॥

اوم

# اکھتہ امبس توا

یا مام اننیتہ ٹمنیا پرکا تیم پڑانیم
دیدیوٗ تیام ستر دمر ہیس ود و دنتے
دتا اردہ پلہ دیتہ شنکر یوپ ٹدام
دیدیتیم ھنینہ مٹرا سترنم پر پاپسے

امبستورے ستر تدہ تا دنہ اکرترکانے
کنتھی بھونتہ اپہ سام اپہ گوم فنانے
ڈیبنیہ مے تز ترسا دسنہ منجہ ساپے
دانسلہ تیگنہ ہر دیام بھزتیم دنولی

دیوٗمیترہ بندو ریتر ناو شندو تیکیا
زوٗ لپے ئز واخ بوہ تنور ریتہ ناترکیتہ
نشندو مانز سوکہ بوٗدسودا سردیا
دیدیوٗ تسے منسہ باگیوتا م خبانام

آ در بوت پولگہ سنتتہ ہبیر ہشتریے
نشندو مان سلہ لے نبہ نشچہ نیشم
واخ بیشجہ گدگدپدا ہیرادپاسنی سے
پادکہ توا مسہ بھونے رشوتہ اپو دنیام

वक्त्रं यदुद्यतमऽभिष्टुतये भवत्या,
स्तुभ्यं नमो यदपि देवि शिरः करोति।
चेतश्च यत्त्वयि परायणमम्ब तानि,
कस्यापि कैरपि भवन्ति तपोविशेषैः॥
॥९॥

मूलालवाल कुहरा दुदिता भवानि,
निर्भिद्य षट्सरसि जानि तडिल्लतेव
भूयोऽपि तत्र विशसि ध्रुवमण्डलेन्दु,
निःष्यन्द मानपरमामृततोयरूपा॥
॥१०॥

दग्धं यदा मदनमेकमनेकधा ते,
मुग्धः कटाक्षविधिरङ्कुरयां चकार।
धत्ते तदाप्रभृति देवि ललाटनेत्रं,
सत्यं ह्रियेव मुकुलीकृतमिन्दुमौलिः॥
॥११॥

अज्ञातसम्भवमनाकलितान्ववायुं,
भिक्षुं कपालिनमवाससमद्वितीयम्।
पूर्वं करग्रहणमङ्गलतो भवत्याः,
शम्भुं क एव बुबुधे गिरिराजकन्ये॥
॥१२॥

चर्माम्बरं च शवभस्मविलेपनं च,
भिक्षाटनं च नटनं च परेतभूमौ।

بۄقتم ییلہ دیوتم الجشرٕ نیئے بوتیا
توبیم نمو ییہ بییہ دلوی شراکر دتی
چیتتنچہ ینٕ تو یہ بیا نیم امتانے
کھسیا پہ کیرا پہ ہو نتہ ہیود لبشیتے در

ژولالہ والہ کو ہرات ودیتا ہوانی
نبر ییدہ شیٹھ سرسزانہ نزرطت لغیوہ
ہجیوپہ تترہ دلبشی وردم اشڈلینہ
نشندہ مان بہا مرتہ تو یہ لڈپا

دگدم ہدا مدنم اکہ انمیلہ داتے
موگدا کنا خر دیہ برا نکور بام ہکارا
دتے تدا پر ببرترِ دیو طلاتؑ تیرم
ستیم ہرا یوہ مکلی کرنم ییند وہوڈلے

اگنیاتہ سم بوہ مناکلہ تانیہ دایم
بکیمیم گیا کینم اداسہ سہندیو تی یام
پھرودم کہ گرہنہ منگلتو بوتیا
شمبم کہ ایوہ بوبودسے گردازہ کینہ

چیرٕ ابرم بچہ شیوہ لبسم دیلی پنم چہ
بیکھیا ٹنم ژہ مطنم چہ پیریتہ ہوا مرڈ

जेतारमाहृति परिग्रहता च शम्भोः,
शोभां बिभर्ति गिरिजे तव साहचर्यात्॥
॥१३॥

कल्पोपसंहरणकेलिषु पण्डितानि,
चण्डानि खण्डपरशोरपि ताण्डवानि।
आलोकनेन तव कोमलितानि मातः,
लास्यात्मना परिणमन्ति जगद्विभूत्यै॥
॥१४॥

जन्तोरपश्चिमतनोः सति कर्मसाम्ये,
निःशेषपाशपटलच्छिदुरा निमेषात्।
कल्याणि देशिककटाक्षसमाश्रयेण,
कारुण्यतो भवति शाम्भववेधदीक्षा॥
॥१५॥

मुक्ताविभूषणवती नवविद्रुमाभा,
यच्चेतसि स्फुरसि तारकितेव सन्ध्या।
एकः स एव भुवनत्रयसुन्दरीणां,
कन्दर्पतां व्रजति पञ्चशरीं विनापि॥
॥१६॥

ये भावयन्त्यमृतवाहिभिरंशुजालैः,
आप्यायमानभुवनाममृतेश्वरीं त्वाम्।
ते लङ्घयन्ति ननु मातरऽलङ्घनीयां
ब्रह्मादिभिः सुरवरैरपि कालकक्ष्याम्॥
॥१७॥

دیتاں سسم ہتہ پسے گرہتا چہ شمبو
شوبعام ببرتہ گرہے توہ ساہوچریاب

کلپو پہ سم ہرنہ کیلسشو پنڈتانے
چنڈانہ کھنڈہ پرشوایہ تانڈوانے
الوکنی نہ توہ کو ملہ تانیز ماتر
لاسیات مناپہ ہمنتیز جگت دیجوے د

جنتور اپشیچہ متنوسنہ کرمہ ساے
نشیشہ پاشہ پٹلہ ژھیڈرانیشات
کلیانہ دیے شکہ کٹاخہ سماسنزسے نہ
کارینہ نو بھوہ سیہ شامبھوہ ویدہ دیخیا

موخنا وبھوش دتی نوہ تے درما بام
یہ چے تسے شفرسیہ نارکہ نیبوہ سندھیا
ایکاسہ ایو بھو نا نتریہ سندری نام
کندرپتام ورجتہ ہنشر شنوریم ونا پے

پی بھاوہ بینتز امرنہ واہ ہبراشنہ زالیے
آپیایہ مانہ بھوہ نام امرتیم شنوریم توام
تی لنگہ بینتز ننہ مانز لنگیہ نی یام
برمہا دیے سورہ درئے اپہ کالہ کنیام

यः स्फाटिकाक्षगुण पुस्तक कुण्डिकाढ्यां,
व्याख्यासमुद्यत करां शरदिन्दु शुभ्राम्।
पद्मासनां च हृदये भवतीमुपास्ते,
मातः स विप्लवकवितार्किक चक्रवर्तीम्॥
॥१८॥

बर्हावतंसयुतबर्बर केशपाशां,
गुञ्जावलीकृत घनस्तन हारशोभाम्।
श्यामां प्रवालवदनां सुकुमारहस्तां,
त्वामेव नौमि शबरीं शबरस्य जायाम्
॥१९॥

अर्धेन किं नवलताललितेन मुग्धे,
क्रीतं विभोः परुषमर्धमिदं त्वयेति।
आलीजनस्य परिहासवचांसि मन्ये,
मन्दस्मितेन तव देवि जडी भवन्ति॥
॥२०॥

ब्रह्माण्ड बुद्बुद कदम्बकसंकुलो यं,
मायोदधिर्विविध दुःखतरङ्ग मालः।
आश्चर्यमम्ब झटिति प्रलयं प्रयाति,
त्वद्ध्यान सन्तति महावडवामुखाग्नौ।
॥२१॥

दाक्षायणीति कुटिलेति गुहारणीति,
कात्यायनीति कमलेति कलावतीति।

یا مسفا ٹنگا خہ گونہ پومنگہ کونڈ کا ڈیام
دیا کھیا سمہ دینہ کرام شرت بیندر شوبرام
پدما سناژہ ہردے بعوہ بیتم ادپاتے
ماتہ سہ ولیشو کوہ تار کیلہ حکرد ربیتم

درہا دتم شو یونہ بربر گیشو پاشام
گونسرا دلی کرنہ گنس ننہ ہارشو بام
شامام پیروالہ ودنا شو کمار ہستام
نوام ابیوہ نومہ شورم شیو رسہ جایام

اردھینہ کم نوہٗ نتا لاتے نہ موگدے
گرینتم دبعو بور شم اردم یدم بعوتیا
آلی جبسہ پرہ ہاسہ وچام سہ سمیکہ
مندسمنینہ توہ دلیوی جرٹی بھونتے

برہما نڈبود بودہ کدمبکہ سمکلو یم
مایو دوے دویدہ ددکہ ترنگہ مالیم
آنجریم اسبہ جھٹیتے پرلیم پیر یاتے
توت دھیانہ سم نتہ مہا دڈ دامو خاگنو

داکھیا بینی نہ کوٹلی نہ گوہار بینی تے
کانٹیا بینی نہ کملی نہ کلا دلی تے

एका सती भगवती परमार्थतोऽपि,
सन्दृश्यसे बहुविधा ननु नर्तकीव ॥
॥ २२ ॥

आनन्दलक्षणमनाहत नाम्नि देशे,
नादात्मना परिणतं तव रूप मीशे।
प्रत्यङ् मुखेन मनसा परिचीयमानं,
शंसन्ति नेत्रसलिलैः पुलकैश्च धन्याः॥
॥ २३ ॥

त्वं चन्द्रिका शशिनि तिग्मरुचौ रुचिस्त्वं,
त्वं चेतनासि पुरुषे पवने बलं त्वम्।
त्वं स्वादुतासि सलिले शिखिनि त्वमूष्मा,
निःसारमेव निखिलं त्वदृते यदि स्यात्॥
॥ २४ ॥

ज्योतींषि यद्दिवि चरन्ति यदन्तरिक्षं,
सूते पयांसि यदहिर्धरणीं च धत्ते।
यद्वातिवायुरनलो यदुदर्चिरास्ते,
तत्सर्वमम्ब तव केवल माज्ञयैव ॥
॥ २५ ॥

सङ्कोचमृच्छसि यदा गिरिजे तदानीं,
वाक्तर्कयोस्त्वमसि भूमिरनाम्र रूपा।
यद्वा विकासमुपयासि यदा तदानीं,
त्वन्नामरूप गणना सुकरीभवन्ति॥
॥ २६ ॥

ایکاسنی بھگوتی پرماھتو پے !
صندر شہی بہو دِ دام نمنوژنکی دا

آنند لیخنہ منا ھنتہ نامنہ دیلیشے
نادا انمنا پرہ ننتم توہ رویم الیشے
پرنتین موخی نہ منسا پرچی یہ مانم
شمسفتہ نیسرہ سلہ لیے پونکے چہ دھیا

توم چندر کاشتنہ نیگرہ زچہ عتوم
توم چیتیا سہ پورتے بھونے بلم توم
توم سواد تا سہ سلہ لیے فکنے توم اکھا
نہ سارم یے تو نروسے یدے سیات

جو تمیشہ بیت دیوہ چرننہ یدننہ ریکیم
شونے پیا مسہ یہ ہر در نی چہ ستے
بیت واتہ دا یود انکوی، سعد چرستے
تت سارم امہ توہ کیو لم آ گینہ دا!

منکو چم چھیپہ یدا گیہ جے ندا نہیم
واخ نرکہ یو تو ممسہ بھو میرا نا مرژدپا
یدوا دیکاسم ادپیاسہ یدا ندا نیم
تونت نام ہدپ گکنا سوگری بھونے

भोगाय देवि भवतीं कृतिनः प्रणम्य,
भ्रूकिङ्करी कृत सरोजगृह। सहस्राः।
चिन्तामणि प्रचय कल्पितकेलि शैले,
कल्पद्रुमोपवन एव चिरं रमन्ते ॥
॥ २७ ॥

हन्तुं त्वमेव भवसि त्वदधीनमीशे,
संसारतापमखिलं दयया पशूनाम्।
वैकर्तनी किरणसंहतिरेव शक्ता,
धर्मं निजं शमयितुं निजयैव वृष्ट्या॥
॥ २८ ॥

शक्तिः शरीरमधिदैवतमन्तरात्मा,
ज्ञानं क्रिया करणमासनजालमिच्छा।
ऐश्वर्यमायतनमावरणानि च त्वं,
किं तन्न यद्भवसि देवि शशाङ्कमौले:॥
॥ २९ ॥

भूमौ निवृत्तिरुदिता पयसि प्रतिष्ठा
विद्याऽनले मरुति शान्तिरतीव शान्तिः
व्योम्नीति याः किल कलाः कलयन्ति विश्वं
तासां विदूरतरमम्ब पदं त्वदीयम्॥

यावत्पदं पद सरोजयुगं त्वदीयं
नाङ्गीकरोति हृदयेषु जगच्छरण्ये।

بھوگا یہ دِلہ بھوتیم کرتھنا برنمیا
برُوکم زِی کرتہ سروِنہ گرہا سہسرا
چِھتا منے پرچھیہ کلپتہ کیلہ شیٔلے
کلپو درمو پوٗنہ ابیوہ چھرم منتے

ہنتم توم ابیوٗ بھوسے تت ادسم الیشے
سمسارہ تاپم اکھلم دیا لیشو نام
وُیے کرتھنیم کرِنہ سم ہتیر ابیوٗ شنختیا
گرم بیزم شمیتم نِچہ ابیوہ درشٹیا

شنختی شریرم ادہ دشیوتم انیز آتما
گیانم زِیا کرِنہ مالنہ جالم پچھیا
الیشو پیم آ بیتنہ ہا ور نانچہ توم
سکم نت نہ بیت دیوہ دیو شنشا انکہ پو لیم

بھومو یو رنشرودتا پیپہ سہ پرتشٹا
ویدومیانلے مردنہ شانیزا تی نہ شانتی
قلیوم نہ یا بہ کلا نیتو وشریم
تا سام ویدونہ ترم ابھہ پد تو دیام

یا نہ پدم پدسرو بھگم تو دیہ
نکا کو دتہ ہرولیشو جگت سرنہ لے

तावद्विकल्पजटिलाः कुटिलप्रकारा
स्तर्कग्रहाः समयिनां प्रलयं न यान्ति ॥
॥ ३१ ॥

यद्देवयान पितृयान विहारमेके,
कृत्वा मनः करणमण्डल सार्वभौमम् ।
याने निवेश्य तव कारण पञ्चकस्य,
पर्वाणि पार्वति नयन्ति निजासनत्व
॥ ३२ ॥

स्थूलासु मूर्तिषु महीप्रमुखासु मूर्तेः
कस्याश्चनापि तव वैभवमम्ब यस्याः ।
पत्या गिरामपि न शक्यत एव वक्तुं,
सासि स्तुता किल मयेति तितिक्षितव्यम् ॥
॥ ३३ ॥

कालाग्नि कोटिरुचिमम्ब षडध्वशुद्धा-
वाप्लावनेषु भवतीममृतौघ वृष्टिम् ।
श्यामां घनस्तनतटां सकलीकृतौ च
ध्यायन्त एव जगतां गुरवो भवन्ति
॥ ३४ ॥

विद्यां परां कतिचिदम्बरमम्ब केचिदा-
नन्दमेव कतिचित्कतिचिच्च मायाम् ।
त्वां विश्वमाहुरपरे वयमामनाम,
साक्षादपार करुणां गुरुमूर्तिमेव ॥
॥ ३५ ॥

تاوت وکلپہ جٹلا کوٹلہ بہ کارا
ترکر گرہا سیمشام بہ ییم نہ یانیے

یت دلو یان پنزبان وہارم ییگے
گرتوام ناگرنز شنگلہ ساردہ بھوسم
یانے نولیشہ تودہ کار نہ پنچہ گسے
پہ دانز پاردتہ نیئتہ سجاسنتم

شنڈولا سو ہورتشیو پہ مگسا سو ہورنے
گسیا ٹپنچا پہ تودہ دی ٹچے بھوم امبہ لیا
پناگرامیہ نز شیکہ ایوہ دفتوم
سا ہیے توتا گیلہ ہمیٔ تزنتہ خیتہ دیم

کالاگینہ گوڈٹرد جیم امبہ شڈرد ڈشدام
دابلا دیشئو بھوتیم امر نو گر ورشٹام
شامام گنس نتہ تنٹا سکلی گرتو جبہ
دیا بنیتہ ایئوہ جگتام گوردو بھونی

دیہ ھیام پہام گینہ چٹ امرم امبہ کے چٹ
آنندم ایو کتہ چٹ گنہ چٹ ژہ مایام
توام دلیشو آہورا بیرا دیہ مام اناہ
ساخیات اپار کرنا گورہ ہورتیم ایوہ

कुवलयदलनीलं बर्बरस्निग्धकेशं,
प्रथुतर कुचभाराक्रान्तकान्तावलग्नम्
किमिह बहुभिरुक्तैस्त्वत्स्वरूपं परं नः
सकलभुवनमातः सन्ततं सन्निधत्ताम् ॥३६

## इति चतुर्थोऽम्बस्तवः

ओं अजानन्तो यान्ति क्षयमवशमन्योन्यकलहै,
रऽमीमायाग्रन्थौ तव परिलुठन्तः समयिनः ।
जगन्मातर्जन्मज्वरभयतमः कौमुदि ! वयं,
नमस्ते कुर्वाणाः शरणमुपयामो भगवतीम् ॥३७
वचस्तर्कागम्य स्वरसपरमानन्द विभव,
प्रबोधाकाराय द्युतिदलितनीलोत्पलरुचे ।
शिवस्याराध्याय स्तनभरविनम्राय सततं,
नमो यस्मै कस्मैचन भवतु मुग्धाय महसे ॥३८
अधः स्पर्शे लग्नं सपदि लभते हेमपदवीं,
यथा रथ्यापाथः शुचि भवति गङ्गौघमिलितम्;
तथा तत्तत्पापैरति मलिनमन्तर्यदि मम,
त्वयि प्रेम्णासक्तं कथमिव न जायेत विमलम् ॥३९॥
भवानि त्वं दासे मयि वितर दृष्टिं सकरुणा,
मिति स्तोतुं वाञ्छन्कथयति भवानि त्वमिति यः
तदैव त्वं तस्मै दिशसि निजसायुज्य पदवीं,

کوہ لیہ دلہ نیلم بربرہ سنگرہ کھیشم
پرنخ نزہ کوژہ بادام کراغتہ کانا دنگھم
گم ہیہ بہو ببیر وخنتے تت سردیم پچھم فا
سکلر بھون ماتا سنتم سنیدہ ، توام

اوم اجانن تو یانتی کھیم ادشیہ منیبو نیم کلیپیے
امی بابا گرنھو نوہ پریہ لنٹنتا ھم ٹینہ
جگن مانزہ جنم۔ جربھیے تمہ کو مدھویم
تمتے گروانا۔ سترم ڈیہ یاہو بھگویتم
وڈلس ترکہ گھیہ۔ سورس پرمانند بھوڈ
پہ بھودا کادا یہ، ڈوتینہ دلیہ نیلنٹ ہیچے
سیوسیا رادیا پے، شونتن بمردنیم رائے سف نم
تھو لیں عے کس ہے چینہ بجوتو ہو گولئے ہیے
آلیش پرشے گگ نم، اسپدر لبھتے ھیم پپر دیم
بیمفا رتیا، پانشا، ہنسپہ، تجونی، اگانگوگہ، لبنتم
تنھانت نت پاپیے اتبہ ملینم انتر یدی خم
تو بیئے پریم ناسکعتم، کہتم یوہ، نہ جانیینی دقلم
بھوانے تم داسے، ہیئہ وتیتر، درشنم سنکھکرنا
بیتے ستو نم وانچھن کہتہ مینہ بھوانے توم مینہ یاہ
تدیئے، دہ توام، انس ہیئے دلیشہ بیہ، نیزہ سوامیزہ، پدیم

मुकुन्द ब्रह्मेन्द्र स्फुट मुकुट नाशीजितपदाम् ॥४०

ॐ अस्य श्री इन्द्राक्षीस्तोत्रमन्त्रस्य पुरन्दर ऋषिः अनुष्टुप्छन्दः श्री इन्द्राक्षी देवता ह्रीं बीजं भुवनीश्वरी शक्तिः माहेश्वरी कीलकं मायत्री मातृ श्री सरस्वती कवचं आत्मनो वाङ्मनाकायोपार्जित पापनिवारणार्थम् अभयङ्करी प्रीत्यर्थं पाठे विनियोगः ।

## अथ ध्यानम् ॥

इन्द्राक्षीं द्विभुजां देवीं पीतवस्त्रधरां शुभां ।
वामे वज्रधरां सव्यहस्ते ऽभयवर प्रदाम् ।
सहस्रनेत्रां सूर्याभां नानालङ्कार भूषिताम् ।
प्रसन्नवदनां नित्यमप्सरो गण सेविताम् ।
श्रीदुर्गां सौम्यवदनां पाशाङ्कुश धरां पराम् ।
त्रैलोक्यमोहिनीं देवीं भवाणीं प्रणमाम्यहम् ॥

ॐ खड्गं चक्रगदेषुचाप परिघाञ्छूलं भुसण्डीं शिरः ।
शङ्खं सन्दधतीं करैस्त्रिनयनां सर्वाङ्ग भूषावृताम् ।
यामस्तौत्स्वपिते हरौ कमलजो हन्तुं मधुं कैटभं ।
नीलाश्मद्युतिमाऽस्यपाददशकां सेवे महाकालिकाम् ॥

रे मूढाः किमयं वृथैव तपसा कायः परिक्लिश्यते ।
यज्ञैर्वा बहुदक्षिणैः किमितरे रिक्तीक्रियन्ते गृहाः ।

مکند بہ مندر، سوفنہ، مکھٹہ، نبرا، ذبتہ پدام
ادم اگسے شری ابندراکھی ستو تز منتر سے پوٗر ندر ربینٹے الش ٹب چفندہ
شری ابندراکھی دلوتا۔ دھرم بیبجم۔ بھونیشوری شکھتے
ماہے شوری کیبل سکم گا تنتری بیبے ما دتری، سرسوتی، گوچم
آتمنو دانگمنہ کا یو پار جبنہ پا پ نوار تنتم پا ٹھے ونے یوگا۔

اکھنہ دھیانم

ابندراکھیم دلوٗجام دلوبم بیت وشنز دھرام شو بھام
دادے وجر دھرام۔ شوہ ہتے بھبیہ وزہ پہ دام
سہتسر نیترام شوریا بھیام نانا لنکار بھوشتام
پرسن ددنام نیتم الپسرد گنہ سیو تام!
شری دُرگام سومیہ ودنام پاشاں گوشہ دھرام پرام
تربلوکہ موہنیم دیویم بھوانیم پرنہ ماہیم!!
ادم کھڈگم چکر گدلیشو چاپ پرہ گاں شولم بھشنڈیم شرہ
شنکھم سن ددنیم کرے ترینیام سروانگ بھوشا ورنام
یامتس توت سو پتے دھرو کیلی جو ہنتو مدھو مکے ٹبہم
نیلا شمہ دیوتہ ماسہ یاد دنکام مشیو ہے مہا کالکام
رے مونڈا یکم ایم دھلوہ تپسا کا یا برہ کلپتنے!!
یگیندوا بھود کھشے کلم انرے رکتی کرنتے گرہ!

भक्तिश्चेदविनाशिनी भगवती पादद्वयी सेवितामु-
न्निद्राम्बुरुहातपत्र सुभगा लक्ष्मी पुरो धावति॥

पद्मासनस्थां करपङ्कजाभ्यां,
रक्तोत्पले सन्दधतीं त्रिनेत्राम्।
सम्बिभ्रतीमाभरणानि रक्तां,
पद्मावतीं पद्ममुखीं नमामि॥

अथ मंत्रः॥

ओं ह्रीं सः अभयङ्कर्यै नमः॥१०८॥

ओं श्री इन्द्र उवाच॥

ओं इन्द्राक्षी नाम सा देवी देवता समुदाहृता।
गौरी शाकम्भरी देवी दुर्गा नाम्नेति विश्रुता॥१
कात्यायणी महादेवी चन्द्रघण्टा महातपा।
सावित्री सा च गायत्री ब्रह्माणी ब्रह्मवादिनी॥२
नारायणी भद्रकाली रुद्राणी कृष्णपिङ्गला।
अग्निज्वाला रुद्रमुखी कालरात्री तपस्विनी॥३
मेघश्यामा सहस्राक्षी विष्णुमायाजलोदरी।
महोदरी मुक्तकेशी घोररूपा महाबला॥४
आनन्दा भद्रजा नन्दा रोगहर्त्री शिवप्रिया।
शिवदूती कराली च प्रत्यक्ष परमेश्वरी॥५

بھگنش چیت اُوناشنی بھگوتی یاد وولی سیو نام !
اُوت نیدرام ترُڈ ہات تینز شو بھگا گمشی پُرودھادنے
پد ماسنتھام کرینکھا بھیام
رکنوت پلے سن دُو بنم تمرنیبرام
سمُ ببیرنیم آنجبر نانیز رکتام
پدما ونیم پدمہ موکھیم لگاے

## اُتھہ منترہ

اُدم شریم اَبھنیکرِ ہیۓ نمہ
اُدم مترِیم اینیدروآچہ ۱۱
آدم ایندر اگنی نام سادیوی دیوتا سمُوداہوتا !
گوری شاکمبری دیوی دُرگا نام نیتہ ویشیش یوُتا ۔
کانتیا بنی مہادیوی چنڈ منڈا مہا تپا !!
سادتری ساچہ گائیتری برمھانی برھمہ وادنی
نارا اینی تعبدر کالی رودرانی کرشنہ پنگلا !
اگنی جوالا رودر موکھی کالرانزی تپسونی !
میگھہ شیاما سہسر اکھی وِشنو مایا جلو دری
مہودری موکتہ کیشی گھور رُوپا مہا بلا
آنندا بھدرجا نندا روگ ھرتری شوا پریا ۔
شو دوتی کرالی چہ پرتیکھشا پرمیشوری ۔

इन्द्राणी चन्द्ररूपा च इन्द्रशक्तिः परायणा।
महिषासुर संहर्त्री चामुण्डा गर्भ देवता ॥६
वाराही नारसिंही च भीमा भैरवनादिनी।
श्रुतिः स्मृतिर्धृतिर्मेधा विद्या लक्ष्मीः सरस्वती॥७
अनन्ता विजया पूर्णा मनस्तोषाऽपराजिता।
भवानी पार्वती दुर्गा हैमवत्यम्बिका शिवा॥८
शिवा भवानी रुद्राणी शङ्कराधे शरीरिणी॥

एतैर्नामपदैर्दिव्यै स्तुता शक्रेण धीमता।
आयुरारोग्यमैश्वर्यं सुखसम्पत्ति कारकम्॥
क्षयापस्मारकुष्ठादि तापज्वर निवारकम्।
प्रातमावर्तयेद्यस्तु मुच्यते व्याधिबन्धनात्॥
आवर्तयेत्सहस्रेण लभते वाञ्छितं फलम्।
राजावश्यमवाप्नोति सत्यमेव न संशयः॥
लक्षमेकं जपेद्यस्तु साक्षाद्देवी स पश्यति।
त्रिकालं पठते नित्यं धनधान्यादि सम्पदः॥
अर्धरात्रे पठेन्नित्यं मुच्यते व्याधि बन्धनात्।
ऐन्द्रस्तोत्रमिदं पुण्यं जपेतु फलवर्धनम्॥
विनाशाय तु रोगाणामपमृत्युहराय च।
राज्यार्थी लभते राज्यं धनार्थी विपुलं धनम्।

اینْدرانی چنْدر روپا چھ اینْدرشکتئے پرابھ
مہیشاشُر سنگھ ھرتری چامُنْڈا گربھ دیوتا !
وارا ہی نارسِمہی چھ بھیما بھُبروٗ نادِنی !
ہشرُوتے سمرتِ ور ترِ میدھا دودھیا لکشمی سرسوتی
انشا دھیا پُورنا منس تُوشا پرا جینا ! ۸
بھوانی پاروتی دُرگا ھیَیسم دمبکا مِیژو ۱۰ !!
شوا بھوانی ردرانی شنکرار دھ شریرینی
ابھیٔ نام پدٔ دیویٔ توٗ نما شکورینہ دھمنا
آیُوٗر آرد گیم الیشور یم شکھ سمپتہ کارکم
کھیا بیسمارہ نگوسٹا دے تاپہ جدرہ نِوارکم
شنتم آورتئے دِلستو موٗچتئے دیا دھ بندھنات
آورتیت سہستربہ لبھتئے وانچھتم پھلم !
راجا دشیم ادا ہیوتے سنتیم ایوہ نہ سمَ شیہ
لکھیم ایکم چپیے دلیتو ساکھیات دیویم سہ پشتئے
نرکالم پٹھتئے نیتم دھَنہ دھانیادِیہ سمپدہ
اردھ راترے پٹھنت نیتم موٗچتئے دیادِ بندھنات
آبندرستو نرم یدم پُونیم پٹھیٔ تو بھل درَ دھنم
وِناش یہ توٗ ردگا نام آیم رہنو ہرا بچھیہ
راجیارتھی لبھتئے راجیم دھنارتھی وپُولم دھنم

इच्छा कामं तु कामार्थी धर्मार्थी धर्ममव्ययम् ।
विद्यार्थी लभते विद्यां मोक्षार्थी परमं पदम् ॥
इन्द्रेण कथितं स्तोत्रं सत्यमेव न संशयः ॥

ॐ या माया मधुकैटभप्रमथिनी या माहिषोन्मूलिनी
या धूम्रेक्षण चण्डमुण्डमथिनी या रक्तबीजाशिनी ।
शक्तिः सुम्भनिसुम्भ दैत्यदलिनी या सिद्धलक्ष्मी परा
सा देवी नवकोटिमूर्ति सहिता मां पातु माहेश्वरी ॥
माया कुण्डलिनी क्रिया मधुमती काली कला मालिनी ।
मातङ्गी विजया जया भगवती देवी शिवा शाम्भवी ॥
शक्तिः शङ्करवल्लभा त्रिनयना वाग्वादिनी भैरवी ।
ह्रींकारी त्रिपुरा परापरमयी माता कुमारीत्यसि ॥

-तर्पण करना-

अनेन मन्त्रपाठेन आत्मनोवाङ्मनो कायोपार्जित पापनिवारणार्थं श्रीदेवी प्रीत्यर्थे भगवती आमाकामा इत्यादि प्रीताः सन्तु ॥

~ अब देवीकी पूजा ~

शुक्लाम्बरधरं विष्णुं शशिवर्णं चतुर्भुजं,
प्रसन्नवदनं ध्यायेत्सर्वविघ्नोपशान्तये ।

یچھا کامم توڈ کا مارتھی دھر مارتھی دھرمارتھی دھرم آدیثم
ودھیارتھی لبھتے ودھیام موکھیارتھی پرمم پدم !!
ایندریہ گمتنم ستوترم سنیتم ایوہ نہ مسم شبہ

ادم یا مایا مدوگیے ٹبہ پرمھنی یا ماہشون مولینی
یا دھومرے گچھنہ چنڈ منڈ ممقنی یا رکھنہ بیجاسینی
شکتے شوبہ نشوبہ دینہ دلنی یا سدھ لکھشمی پرا
سا دیوی نوکوٹ موریہ سہتا مام پاتو ماہے شوری
مایا گنڈلنی کریا مدھومتی کالی کلا مالنی
ماتنگی وجیا جیا بھگوتی دیوی متوا شامبھوی
شکتے شنکر ولبھا ترنیتا واک وادینی بھیروی
ھریم کاری نرو پرا پرمتی ماتا کماری تیسے

## ترپن کرنا

انیہ منتر پاٹھے نہ آتمنو دانگمنہ کایو پارجتنہ
پاپ نوارنتھم منتری دیوی پرمیتر مے بھگوتی آماکاما
ییتھیادی پر یتیا سنتو۔

## دیوی پوجا

ادم شکلام بر دم دیشنوم شش ورنم چتھور بوجم
پرسن ودنم دیاییت سرو وگنو پشانی متیے !

अभिप्रीत्यार्थ सिद्धर्थं पूजितो यः सुरैरपि,
सर्वविघ्नच्छिदे तस्मै श्री गणाधिपतये नमः॥
गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुः साक्षान्महेश्वरः।
गुरुरेव जगत्सर्वं तस्मै श्री गुरुवे नमः॥
लाभस्तेषां जयस्तेषां कुतस्तेषां पराजयः।
येषां इन्दीवरश्यामो हृदयस्थो जनार्दनः॥
नमामि सद्गुरुं शान्तं प्रत्यक्षं शिवरूपिणम्।
शिरसा योगपीठस्थं धर्मकामार्थ सिद्धये॥
महाबले महोत्साहे महाभय विनाशिनी।
त्राहि मां देविदुष्प्रेक्षै शत्रूणां भयवर्धिनी॥
अचिन्त्यरूपचरिते सर्वशत्रु विनाशिनी।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि॥
श्री शारिके शरण्ये त्वं मयि दासे कृपां कुरु।
ऋणं रोगं भयं शोकं रिपून्नाशाय सत्वरम्॥
ॐ गुरुवे नमः परमगुरुवे नमः परमेष्ठि गुरुवे नमः
परमाचार्याय नमः आदि सिद्धेभ्यो नमः॥

## जल छिड़कना

तीर्थेस्नेयं तीर्थमेव समानानां भवतिमाना शंस्यो
अरुरुषो धूर्तिप्राणाङ् मर्त्यस्य रक्षाणो ब्रह्मणस्पते।

اَبھ ہیے تیاد نہ سید بر نفم پوجنو یہ شوبے اپے
سرو وگنہ چھدے تسے گناد ہ پنہ ئی نمہ ۔
گورو برھما گورو وشنو گورو ساکھشات مہیشورہ
گورو ایوہ جگت سرّم تسمے شری گوروی نمہ ۔
لاکھیس تیشام جییس تیشام کوتس تیشام پراجیہ
الیشام اینیدی ورہ شیا مو ہردیسفو جنار دھنہ
نمامے ست گورم شانم برہمکھشم شو رُو پنم
شرسا یوگ پی ٹھسفم دھرم کا مادنہ سدیبدے
مہابلے مہوت ساہے مہا بھیہ دناشنے
شرا ہی مام دیوی ڈھس پر نکھے شرنام بھیہ دردھنے
اچھنینہ رُوپ چرِیتے سرو شترو دناشنے
رد ہم دے دِہ جیم دے دیہ لیشو دے دِہ دودُ جہہ
شری سشاد کے سشرنے توم ہیہ داسے کرپا کورُد
ریئم ردگم بھیم ستو کم رپو پناشئے ستو رم
اوم گوددے نمہ ۔ پرم گوردے نمہ ۔ پرمیشٹھ گوردے نمہ
پرما چاربہ نمہ ۔ آدِ سِدّ بھیو نمہ ۔

(جل چھڑکنا)

نبیر نفے سنے بم ۔ نبیر نفم ایوہ سمانانام بھوتہ مانا
شنم سو اودرِ مٹو دھورنہِ پرانگ مرتسے رکھشا نو برھمس پنے

## पवित्र लगाना

वसो पवित्रमसि शतधारं वसूनां पवित्रमसि सहस्र-धारं मायक्ष्मावः प्रजया संसृजामि रायस्पोषेण बहुला भवन्ती ।

## अपने आपको तिलक

परमात्मने पुरुषोत्तमाय पञ्चभूतात्मकाय विश्वात्मने मंत्रनाथाय आत्मनेनारायणाय आधारशक्तये समालभन्तं गन्धोनमः अर्घो नमः पुष्पं नमः ।

## रत्नदीप को टीका ।

स्वप्रकाशो महादीपः सर्वतस्तिमिरापहः ।
प्रसीद मम गोविन्द दीपोऽयं प्रतिगृह्यतां ॥

## धूप को

वनस्पति रसो दिव्यो गन्धाढ्यो गन्ध उत्तमः ।
आघ्रेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं परिकल्पितम् ॥

## सूर्य को तिलक

नमो धर्मनिधानाय नमः सुकृति साक्षिणे ।
नमः प्रत्यक्षदेवाय भास्कराय नमो नमः ॥

(پونٹر لگانا)

وسو پونٹرم اُسے شتہ دھارم وسونام پونٹرم اسے سمبھر دھارم تہٓ بکھشما پرجیا سم سرجامے رالیس پونٹسے نہ بہولا بھونتی ۔

اپنے آپ کو تلک لگانا

پرمات مینے پورشو نمائے پنچ بھوتات مکائے ۔ وشوات مینے منتر نانفائے آتمنے نارا ینائے آداد شکھتے سمال بھتم گندھو نمہ ۔ الگو نمہ ۔ پشپم نمہ ۔

رتن دیپ کو تلک چھڑکنا

سو پرکاشو بھا دیپا سرو تستہ مرا پہا
پہ سید نمہ گوندہ دیپویم پرنہ گرلیہ تام

دھوپ کو تلک چھڑکنا

رسو دو یو گندھا ڈیو گندھ اُو تمہ
آگی یہ سرو دیوانام دُو یویم پرہ کلنتام

شوریہ دیوتا کو تلک چھڑکنا

نمو دھرمہ ندھانا یہ ۔ نمہ سُوکرت ساکھشنے
نمہ پرتکھشی دیوا یہ شری بھاسکرا یہ نمونمہ

## तर्पण करना

यत्रास्ति माता न पिता न बन्धुर्भ्रातापि नो यत्र स्वहृज्जनश्च
न ज्ञायते तत्र दिनं न रात्रिस्तत्रापि दीपं शरणं प्रपद्ये ॥

आत्मने नारायणाय आधारशक्तये धूपदीपसंकल्पात्
सिद्धिरऽस्तु धूपो नमः दीपं नमः।

ॐ तत्सद्ब्रह्म अद्य तावत्तिथावद्याऽमुकमासस्याऽमुक पक्षस्य तिथावमुकायां आत्मनोवाङ्मनाकायोपार्जित पापनिवारणार्थं श्री देवी प्रीत्यर्थे धूपो नमः दीपं नमः ॥

## फिर देवी को स्नान देना

ॐ अरुणाभां त्रिनेत्रां मणिमुकुटवतीं रत्नताटङ्करम्यां
हस्ताम्भोजैः सपाशाङ्कुशमदनधनुः सायकैर्विस्फुरन्तीम्।
आपीनोत्तुङ्गवक्षोरुहतटविलसत्तारहारोज्वलाङ्गीं
ध्यायाम्यम्भोरुहस्तामऽरुणनिवसनामीश्वरीमीश्वराणाम् ।

## ॐ अहमष्टाविति देवीसूक्तसे देवीको स्नान देना

(ॐ अहमष्टौवागाश्विनीतुष्टावाऽत्मानं त्रिष्टुप द्वितीया जगती)

## نزرپن کرنا

ہیتزاسینہ ماناں نہ پنیا ینہ بعد چھو۔ برانہ پہ نو یتزسو ہیرت جنتی جبہ
نہ گیا ییتھ تنتز دنم نہ راتزمی تنتزا ہہ دہیم ہتزنم پر پکہ ے
آنمنے نارابنیاے آدھارسکھفنے ڈ ڈھوپ ڈیپ سنکلپا
ستدِ ھرا سنو ڈھو لو پنمہ ۔ دہیم نمہ۔
اُدم ننت ست برھمہ ادے نادت تیمخا دوے امک ماسیے
امک پچھیے ۔ تہتھا امکا یام آنتھو وانگمنا کالیہ پار چینہ
پاپ نوانار نظم تنزی دیوی پرہیتز نظم ڈھو پونمہ۔ دیہم نمہ

## دیوی کو سنان دینا

ادم آرکتا بھام نزنیترام ہمتینہ ہوکۂ دیم زنمہ تاٹنک ہیام
ہسنام بھوجے ستپانثال گوشہ ملانہ ڈھنو سا پیکیے ڈ وسپُرن تیم
آپی نو تونگ وکھشیو رُہو نۂ دل ست تارہاردو جالان گیم
دیا یا مبوزہسنام ۔ اُدونہ نوسنام ۔ الیثو ڈیم الیثو رانام

(اُدم اہم اسثاد یۂ دیوی سوکت سے ۔ دیوی
کو سنان دینا)

ادم اہم داگچھو نی نشادا ۔ آتما نم ۔ توسنپ ودنیا جگتی

अहं रुद्रे भिर्वसुभिश्चराम्यऽहमादित्यैरुतविश्वै देवैः ।
अहं मित्रा वरुणोभा बिभर्म्यऽहमिन्द्राग्नी अहमऽश्विनोभा ॥१
अहं सोममाहनसं बिभर्म्यऽहं त्वष्टा रमुत पूषणं भगम् ।
अहं दधामि द्रविणं हविष्मते सुप्राव्ये यजमानाय सुन्वते ॥२
अहं राष्ट्री सङ्गमनी वसूनां चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम् ।
तां मा देवा व्यदधुः पुरुत्रा भूरि स्थात्रां भूर्यावेशयन्तीम् ॥३
मायासो अन्नमत्ति यो विपश्यति यः प्राणिति यईं शृणो त्युक्तम् ।
अमन्तवो मां त उप क्षियन्ति श्रुधि श्रुत श्रद्धिवं ते वदामि ॥४॥
अहमेव स्वयमिदं वदामि जुष्टं देवेभिरुत मानुषेभिः ।
यं कामये तं तमुग्रं कृणोमि तं ब्रह्माणं तमृषिं तं सुमेधाम् ॥५
अहं रुद्राय धनु रातनोमि ब्रह्म द्विषे शरवे हन्तवा उ ।
अहं जनाय समदं कृणोम्यऽहं द्यावा पृथिवी आविवेश ॥६
अहं सुवे पितरमस्य मूर्धन्मम योनिरप्स्वऽन्तः समुद्रे ।
ततोवि तिष्ठे भवना नु विश्वोतामूं द्यां वर्ष्मणोप स्पृशामि ॥७

जातवेदसे सुनवाम सोममरातीयतो निदहाति वेदः
स नः पर्षदति दुर्गाणि विश्वा नावेव सिन्धुं दुरितात्यग्निः
भगवत्यै॰ अम्बायै॰ अष्टो स्नानं परिकल्पयामि नमः ॥

इसी मंत्र से वस्त्र, यज्ञोपवीत, तिलक, अर्घो
नमः पुष्पं नमः ॥

اہم ژُدور ہِتے بعو صتو بھشیرا بھیٔ اہم آوتیۓ ژت وثوے دیوائے
اہم منترا ورُہیرنو بعا بجبر مے اہم ابیندر اگنی اہم اشو نیو بھا
اہم سوم ماہ لنسم ہبجبر مےُ اہم تشٹا ژمت پوشنم بھگم
اہم د دھامی۔ درادنیم ہوشنے سو پراوے یجما ماسے نسُں فنے
اہم رانشٹری سنگمنی وسو نام حکیتو شی پرتھمایگی یا نام
تام مال دیوا دیے دوھو پُرترا بھودی استفا ژام بھوپبادیش ین تیم
مایا سو ان منتی یہ دلشتی یہ پرانتی یا این شنو لی اکتم
امن تہ دو مام تہ اُپ چھنتی۔ شُردھی بثرُت شردھی وم تے ودامی
اہمیہ سو یم یدم دوامی جشٹم دیوے بھی ژنہ مانوسیتے بھی۔
یم کامیٔ تم تمگرم کرنومے تم برھمانم تم رشتم تم سومے دھام
اہم ژدرلے دھنو وات نومی برھما دویشے شا کھے صنتہ داوُ
اہم جنائے سمدم کرنومے اہم دھیاوا پرتھوی آدی ولیشہ
اہم سُوٗمے پترا مسیۓ مو دھنم میلونی رشپے انتاہ سمدرسے
تھودی نشٹے بھوناں دسونا موم دیام ددشے نوپ سپرشامی

جات دیوٗسے سُن دام سوم مراتی بنو یندھاتہ ویدہ
سُمنہ پرشدنہ دُرگانہ دسوا ناو الو سیندھم دُرتا تیگینہ
بعگو تیبے۔ اسشٹو سنانم پرکلی پیا میہ نمہ۔
(اسی منتر سے دستر بگیو یو بیت نگ۔ اد گو نمہ
یوشیم نمہ)

## धूप, रत्नदीप चढ़ाना

ॐ ददातीष्टान्भोगान्क्षपयति रिपून्हन्ति विपदो,
दहत्याधीन्व्याधीञ्छमयति सुखानि प्रतनुते ।
हठादऽन्तर्दुःखं दलयति पिनष्टीष्ट विरहं ,
सकृद्ध्याता देवी किमिव निरवद्यं न कुरुते ॥१॥

भवानि त्वं दासे मयि वितर दृष्टिं सकरुणा,
मिति स्तोतुं वाञ्छन्कथयति भवानि त्वमिति यः
तदैव त्वं तस्मै दिशसि निजसायुज्य पदवीं,
मुकुन्द ब्रह्मेन्द्र स्फुट मुकुट नीराजित पदाम्।२
पिता माता भ्राता सुहृदऽनुचरः सद्म गृहिणी,
वपुः पुत्रो मित्रं धनमपि यदा मां विजहति ।
तदा मे भिन्दाना सपदि भयमोहान्धतमसां,
महाज्योत्स्ने मातर्भव करुण या सन्निधिकरी॥३
मनुष्यास्तिर्यञ्चो मरुत इति लोकत्रयमिदं,
भवाम्भोधौ मग्नं त्रिगुणलहरी कोटि लुठितम् ।
कटाक्षश्चेदत्र क्वचन तव मातः करुणया,
शरीरी सद्योयं व्रजति परमानन्द तनुताम् ॥४
त्वदन्यः पाणिभ्यामभयवरदो दैवतगण;
स्त्वमेका नैवासि प्रकटितवराभीत्यभिनया ।

## دھوپ رتن دیپ چڑھانا

دَداتیشٹان بھوگان کھپہ بیتہٕ ریوٗن ہنتہ  ویدد
دہتیا دھین دیا دین شمہ بیتہٕ شکھانے پرتہ نوٹتے
ھمقات انتز ڈوکھم دَلہ بیتہٕ ہنش ٹیشٹ دہم
سگرت دِیا تا دیوی مگم ایِدہ نزدشم نہ کوٗرونے

بھوَانے توم داسے ہیہ وِنزٕ درشٹم ستہ کرٗو نام
بیتے ستوتمٗ داپچھن کمھٗ بیتہ بھوَانے توٗم بیتہٕ یہٕ
ندلیوہ توٗم تسمے دشِبیہ نجہ سالوُجہ ید ویم !!
موکنَدہ برہمندرہ سچھڈ ملکہڈ نیرا جنہ یدام
پیِنا مانا بھراتا موھرَدہ انو چرَہ سدَمہ گرہنی
وِلیو پونزو منترم دھنم اَپہ یدا نام وج ہَنتے
ندامے بھندا تا سَپدہ بھبتہٕ موہال دھنم اُسم
مہا جونتسے ماتا بھوَ کرونہ یاسَت ندِن کری
ہنوشا ستیزِ ینچو مرُوتہ بینہ لوکہ تزیم یدَم
بھوام بھو دھو مگنم تزِ گونہ لہری کوٹ لتضم
کتا کھشیچت اَنز کوچنہٕ توٗ ماتا گرُد بیتا
ششری سدیویم برَجنہٕ پرمانند تنو نام
توُدَنبہَ پانہٕ بھبام ابھیہ دِرہ وو دَیئے ونز گنےٗ
نوٗمیکانے واسے پرکہ ٹنہ وِرابھی تِبہ نتُیا

भयात्त्रातुं दातुं फलमपि च वाञ्छासमधिकं,
शरण्ये लोकानां तव हि चरणावेव निपुणौ ॥५
सुधासिन्धोर्मध्ये सुरविटपि वाटी परिवृते,
मणिद्वीपे नीपोपवनवति चिन्तामणिगृहे ।
शिवाकारे मञ्चे परमशिवपर्यङ्क निलयां,
भजन्ति त्वां धन्याः कतिचन चिदानन्दलहरीम् ॥६
असंख्यैः प्राचीनैर्जननि जननैः कर्मविलयाद
गते जन्मन्यन्ते गुरुवपुषमासाद्य गिरिशम् ।
अवाप्याज्ञां शैवीं क्रमतनुरपि त्वां विदितवान्
नयेयं त्वत्पूजा स्तुतिविरचनेनैव दिवसान् ॥७॥
अयः स्पर्शे लग्नं सपदि लभते हेमपदवीं,
यथा रथ्यापाथः शुचि भवति गाङ्गौघमिलितम् ।
तथा तत्तत्पापैरतिमलिनमन्तर्यदि मम,
त्वयि प्रेम्णासक्तं कथमिव न जायेत विमलम् ॥८॥
तडिद्वल्लीं नित्याममृत सरितं पार रहितां,
मलोत्तीर्णां ज्योत्स्नां प्रकृतिमगुण ग्रन्थि गहनां ।
गिरां दूरां विद्यामविनतकुचां विश्वजननीम-
पर्यन्तां लक्ष्मीमभिदधति सन्तो भगवतीम् ॥९॥
न जानामि ध्यानं तवचरणयोः प्रीतिजननम्,
न जानामि न्यासं मननमपिमातर्न गिरिजे ।

بھَبا نرا تومُ دا تومُ بھَلم اپہ چہ وانچھا سم اَدھکم
شرندےٗ لوکا نام توُچہ جِرنادٕ ایوہ نپہ نوٗ
شدھا سیندھور مدَھے شُردنڈ پوادی پرہ ونتے
ہنی دو ہیپے نیو پوٗنہ دتہ چِنتا مَنہ گرہے
شوا کارے منچے پرَمہ شو پرینکہ نلیام
ھو جنتے توام دَھنیاکتہ جَنہ جنت آنند ہریم
اسنکھےٗ پراچی نےٗ جَنہ یہٕ جَنہ نےٗ کرمہ ولیات
گنتے جنمہَ ننتم گورُو ولوٗ شماسادہ گرشم
اَوا پیاگتام شیویم کرمہ تنوُر اپے توام وِدنہ وان
نیےٗ ہم توٗت پوٗجا توٗ تہ وِرچرنے نیو ودِسان
اَیہ ستپرشے لگنم سنپد لبھتے ہیم ہٕدیم
بنجھا رَھنیا پا تھا شوُچہ بھوٗتہ گانگوگہ ملنم
تھا تت نت پاپےٗ آنہ ملیم اہنہٕ بدمہٕ
توہیے پرہما سکتم کھنم اوہ نہ جانےٗ تہ دِلم
تدٹت دَلیم نتیام اہرتہ ہرتم پادہ رَہتام
ملو تبر نام جیوتنام پرکرتم اگنہ گرنتہ گہنام
گرام وڈرام ددھیام اوہ ننہ کوچام دشوجنہ نیم
اپرین نام مھشمیم اَیہ دو تہ سنتو بھگویتم
نہ جانامے دھیانم توٗچر نیوٗ پرینہ جَنہ نم
نہ جانامے نیا سمہَ ہَنہ نم اپہ ماترہ نہ گرجے

तदेतत्क्षन्तव्यं न खलु सुतरोषात्समुचितम्,
क्व पुत्रो जायेत क्वचिदपि क्व माता न भवति॥१०॥
अजानन्तो यान्ति क्षयमपश्यमन्योन्यकलहै,
रमी मायाग्रन्थौ तव परिलुठन्तः समयिनः।
जगन्मातर्जन्मज्वरभयतमः कौमदि! वयं,
नमस्ते कुर्वाणाः शरणमुपयामो भगवतीम्॥११
ओं सरस्वति महाभागे विद्ये कमललोचनि।
विश्वरूपे विशालाक्षि! विद्यां देहि सरस्वति॥१२॥
शारदा वरदा देवी मोक्षदाता सरस्वती।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥१३॥
ज्वालामुखि महाज्वाले ज्वालापिङ्गललोचने।
ज्वालातेजे महातेजे ज्वालामुखि नमोस्तुते॥१४॥
या देवी सर्वभूतेषु दया रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः॥१५॥
पुरुहूतप्रिया कान्ता कामिनी पद्मलोचना।
प्रह्लादिनी महामाता दुर्गा दुर्गतिनाशिनी॥१६॥
अघोरव्याधिनाशातु घोरदुःखनिवारिणी।
अष्टादशभुजा देवी शारिका श्यामसुन्दरी॥१७॥
निर्गुणे निष्क्रिये नित्ये सच्चिदानन्दरूपिणि।
नमोस्तु ते महाराज्ञि पाहि मां शरणागतम्॥१८॥

نتہ اے نت کھن توِیَم نہ کھلوُ سنزوشات سم اُوچتم
کو پوٗنزو جاے نت کوچت اَپہ گوٗ ماتا نہ بجوٗتے
اجانن تو یا نتے کھیم اوشیہ منیٗو ہنگلہ ہا ہے
امی مایا گرنمغو تو پرہ لوبھڑن نہ سمہ ینہ
جگت ماتا جنیمہ جورہ بھجیہ نمہ گوٗ ملدِ دیم
نمتے کوٗر دانہ شِنم اُوپیا مو بھجگو نتیم
ادم سرسوتی جہا بھاگیہ ددھیا کملہ لو چنیہ
دشو روٗپے دشا لاکھی ددھیام دیہہ سرسوٗتی
شاردا وردا دیوی موکشدا اتا سرسوتی
نمس تسیے نمس تسیے نمس تسیے نمو نمہ
جوالا مکھی جہا جوالے جوالا ہنگلو چینے
جوالا تیجے جہا تیجے جوالا موکھی نموستوتے
یا دیوی سرو بھوٗتے شوٗ ۔ دیا روٗپینہ سمستھتا
نمس تسیے نمس تسیے نمس تسیے نمو نمہ
پڑوٗ ھوت پریا کانتا کامنی پدم لوچنا
پرہلادنی جہا ماتا دُرگا درگتہ ناشنی
اگھور۔ وبادناشنتو گھور دُکھہ نوار بنی
اشٹادشہ بوجا دیوی شاردکا شیام سندری
نرگوٗنے نشکرنیے نتے ست چت آنند روٗپنی
نموستوتے جہا راگنی پاہمہ مام شرنا گتم

सर्वबाधाप्रशमनं त्रैलोक्यस्याक्षरीश्वरि ।
एवमेव त्वया कार्यं अस्मद्वैरि विनाशनम् ॥१९॥

इति श्री महामाया भगवती प्रसन्नार्थं रत्नदीपं परिकल्पयामि नमः ॥

देवस्यत्वा चामरं० ॥

ॐ लीलारब्धस्थापित लुप्ताखिललोकां,
लोकातीतैर्योगिभिरन्तर्हृदि मृग्याम् ।
बालादित्य श्रेणि समान द्युति पुञ्जां,
गौरी मम्बाम्मम्बु रुहाक्षी महमीडे ॥१॥
आशापाशाक्लेशविनाशं विदधानां,
पादाम्भोज ध्यानपराणां पुरुषाणाम् ।
ईशीमीशाङ्गार्धहरां तां तनुमध्यां,
गौरीमम्बा० ॥ ॥२॥
नित्यः सत्यो निष्कल एको जगदीशः,
साक्षी यस्याः सर्गविधौ संहरणे च ।
विश्वत्राण क्रीडनशीला शिवपत्नीं,
गौरीमम्बा० ॥३॥
प्रातःकाले भावविशुद्धिं विदधानो
भक्त्या नित्यं जल्पति गौरीदशकं यः ।

ہرِو بادھا پرشہ منم ترلوکیہ سبا کھری شوری
ایتوم ابوہ توُیا کاربہ اسمت ویر وناشینم

ہتے ہٹری بہا مایا بھگوتی پرستارنہ زننۂ دیپم
پرکلپیا ہہ نمہ .

دلوسیتوا چاھرم

اودم ابلا ربدھ تھاپتہ کپنیا کھسلہ لوکان ۱،
لوکاں نِی گتے یوگہِ برنتہ ہرِدہ تھادیام
بالا دیتے شرینہ سمانُ دلوبتہِ لونجام
گوریم ابام اہرِو ہاکھیم اہم ایڈے
آسنا پاشہ کلش وناشم ودِ دھا نام
پادام بھوجہ دھیان پرانام پورُدشا نام
الیشیم الیان داتگہ ہرام تام تتُو یدِ دھیام
گوریم ابام اہرِو ہاکھیم اہم ایڈے
نینیا سنیو نِشکلہ ایکو جلُت الینا
ساکھی لیپا سرگہ دودسیم اہرنے جپہ
دشو ترانہ کریڈنہ شیلا شو ینینم
گوریم ابام اہرِو ہاکھیم اہم ایڈے
پراتا کاے بھاوُ وشدم ودِ دھانو
بھکتیا ننیتم جل بپتہ گوری دشکم یہ

वाचां सिद्धिं सम्पदि मुच्चैः शिवभक्तिं
तस्यावश्यं पर्वतपुत्री विदधाति ॥४॥
न तातो न माता न बन्धुर्न भ्राता,
न पुत्रो न पौत्रो न भक्तो न भर्त्ता।
न माया न मित्रं न मैत्र्यं ममैव,
गतिस्त्वं गतिस्त्वं गतिस्त्वं भवानी ॥५॥
बहुदारपालो महादुःखवीरो,
प्रपन्नः प्रकामी कुमाया कुबुद्धिं।
कुमार्गी कुगामी कुसंगी सदाहं,
गतिस्त्वं गतिस्त्वं गतिस्त्वं भवानी ॥६॥
न जानामि ध्यानं न सन्ध्या न ज्ञानं,
न जानामि मन्त्रं न जानामि यन्त्रं।
न जानामि स्तोत्रं न जानामि भक्तिं,
गतिस्त्वं गतिस्त्वं गतिस्त्वं भवानी॥

भगवत्यै अमायै ॥८॥ चामरं नमः॥
छत्रं नमः। आदर्शं परिकल्पयामि नमः॥
एताभ्यो देवताभ्यः धूपदीप संकल्पासिद्धिरस्तु धूपो
नमः दीपं नमः। भगवत्यै अमायै।८। वासो नमः।
एतासां देवतानामर्घ्यदानाद्यर्चनविधिः सर्वापरिपूर्णोऽस्तु॥

واچام شدّم ستمپدم اوچھےٗ شو بھکتم
تیہا وُشنم پرونۍ پوتری وِد دانی
نۍ ناتو نۍ ماتا نۍ بندھو نۍ بھراتا
نۍ پوترو نۍ مانزو نۍ بھکتو نۍ بھکتنی
نۍ مایا نۍ منترم پۍ مے توم مے ؤ
گتس توم گتس توم گتس توم بھوانی
بہودار پالو تہیا دوکھ ویرو
پرنیا پرکامی کومایا کو بدھی
کومایا کو بدھی کو سنگے سدا ہم
گتس توم ۔ گتس توم ۔ گتس توم بھوانی
نۍ جانامیہ دھیانم ۔ نۍ سندھیا نۍ گیانم
نۍ جانامیہ منترم نۍ جانامہ منترم
نۍ جانامیہ ستوترم ۔ نۍ جانامہ بھکتم
گتس توم ۔ گتس توم گتس توم بھوانی
بھگونتے آمایئے چامرم نمہ
چھترم نمہ ۔ آدرشم پرکلپ یامے نمہ
اینیا بھیو دیوتا بھیہ دھوپ ویپہ پشنگایا بھیدر
استو ۔ دھوپو نمہ ۔ دیپم نمہ ۔ واسو نمہ ۔

भगवत्यै० मिष्टान्नं मधुपर्कं नमो नैवेद्यं निवेदयामि नमः
भगवत्यै० अमायै ।८। कुसुमाञ्जलिं परिकल्पयामि नमः
अन्नं नम २ भगवत्यै० अमायै ।८। अपोशानं नमः ॥
पुनः प्राशोदेवी० भगवत्यै० अमायै ।८। दक्षिणायै०

ततो नैवेद्यं, अमृतमस्तु० श्री देवी प्रीत्यर्थे
नमो नैवेद्यं०॥

## अथ क्षमा पुष्पाणि ॥

या देवी शिवकेशवादि जननी या वै जगद्रूपिणी ।
या ब्रह्मादिपिपीलकान्त जनता नन्दैक सन्दायिनी ॥
या पञ्च प्रणमद्विरेफ नलिनी या चित्कला मालिनी ।
सा पायात्परदेवता भगवती श्री राजराजेश्वरी ॥१॥
भक्तानुग्रहकारिणी भगवती देवाधिदेवेश्वरी,
दीनानाथ कृपावती स्वजननी भक्तानुरक्ता सती ।
ओंकाराक्षरवासिनी सुरनुता सर्वेश्वरी सर्वदा,
भूयान्नो वरदा सदा ह्यभयदा कामेश्वरी कामदा ॥ २॥
संसारार्णवतारिणीं रविशशि कोटिप्रभां सुप्रभां
पापातङ्क निवारिणीं हरिहर ब्रह्मादिभिः संस्तुताम्
दारिद्र्यस्य विनाशिनीं सुकृतिनां जाड्यं हरन्तीं भृशम्
ज्ञानान्धमतेःकवित्व जननीं ज्वालामुखीं नौम्यहम्॥३

ھگونتۓ ستٹانم ندو پہ کم نمو نو بدم نو بدیا مہ نمہ
ھگونتۓ آمایے گُمڈا نخلم پہ کلبیامے نمہ !
اَنتم وِنمہ ۔ انتم نمہ ۔ بھگونتۓ اپوٹانم نمہ
ٹینہ شنو دلوی دکھشا یےٗ
نتنو نیو بدم امرتم استو سٹری دلوی پربیتر کھم نمو نیو بدیم

## الخہ کھشما ٹیٹیالی

یا دیوی شنو کی شوادِ جنبی یادے جگت رُدپنی
یا برھما دبہ پیبلہ کانت جنتا نندیکہ سندھیاینی
یا پنچہ پہ نہ مت پھریپھ تلبنی یا حت کلا مالنی
سا پا پات پر دلوتا بھگوتی منزی راج راجیشوری
بھکتنا نو گرہکا رینی بھگوتی دلوا دِیوی شوری
دینا ناتھ کرپا ونی سو جبہ نی رکھتا نوٗ رکھناستی
او ہکا را کھروا سنی شرُ نتنا سر دلیشوری سردا
بھُویات نو ورُدا سدا جیہ جیدا کامیشوری کامدا
سم سا را نو تا رینی رؤشمشے کوٹی پہ جام سو پر بھام
پا پا تنک نوارینی ھرہ ھرہ برھما دلے سمس توٗتام
وار ورسیہ دیا شنیم نتوٗ کرتہ نام جا ڈم ھرن تیم ھرشام
الگنیات منے کو بتو جبہ نیم جوالا مُو کھیم نوہم

या माया मधुकैटभप्रमथिनी या माहिषोन्मूलिनी,
या धूम्रेक्षणचण्डमुण्डमथिनी या रक्तबीजाशिनी।
शक्ति सुम्भनिसुम्भदैत्य दलिनी या सिद्धलक्ष्मीः परा,
सा देवी नवकोटिमूर्ति महिता मां पातु माहेश्वरी ॥४
बीजैः सप्तभिरुज्ज्वलाकृतिरसौ या सप्तसप्तिद्युतिः,
सप्तर्षिप्रणताङ्घ्रि पङ्कजयुगा या सप्तलोकार्तिहृत्।
काश्मीर प्रवरेशमध्यनगरी प्रद्युम्नपीठे स्थिता,
देवीसप्तकसंयुता भगवती श्री शारिका पातु नः ॥ ५॥
माया कुण्डलिनी क्रिया मधुमती काली कला मालिनी,
मातङ्गी विजया जया भगवती देवी शिवा शाम्भवी ।
शक्तिः शङ्करवल्लभा त्रिनयना वाग्वादिनी भैरवी,
ह्रींकारी त्रिपुरा पराऽपरमयी माताकुमारीत्यसि ॥ ६॥
याचे न कंचन न कंचन वञ्चयामि,
सेवे न कंचन निरस्त समस्त दैन्यः ।
श्लक्ष्णं वसे मधुरमद्मि भजे वरस्त्रीः,
देवि हृदि स्फुरति मे कुल कामधेनुः॥७॥
लक्ष्मीवशीकरण चूर्णसहोदराणि,
त्वत्पादपङ्कज रजांसि चिरं जयन्ति ।
यानि प्रणाम मिलितानि नृणां ललाटे,
लुम्पन्ति दैव लिखितानि दुरक्षराणि ॥८॥

یا ما یا مُدھوکےَ ٹھ پرہھفنی یا ماجہ شون ہُو لینی
یا دو مرُے کھینہ چنڈ منڈ ہھفنی یا رکت بیجا شینی
سکنتے سوُمب نہ سوُمب وَیبتہ وَلینی یا مد لکھشمی پرا
سا دیوی نو کوٹ ہوُرنہ سہھا مام یا تو مایے شوری
بی جےُ بپت بہروت جلا کرنہ رتھو یا سپتر دیبنے
سپتر سنزی پرَنہ ناگر پنکجہ پوُنا یا سپت لوکا مہ تر
کاشمیر پرورتیش مدھبہ نگری پہ ریدیو منہ پیچھے ستھا
دیوی ستپنگ سم یوتا بھگوتی سنزی شادکا پا توُنہ
(۵) ماہا کنڈلینی کریا مدھومتی کالی کلا مالینی
ماتنگی وجیا جیا بھگونی دیوی شوا شامبوی
شکتے شنکر ولبھا ترنینا واک وا دنی بھیروی
ھریم کاری تر پوُرا پرا پرھمی ماتا کوماری نیسے
(۶) پاچھے مہ کنچن نہ کنچن وَسہیا ے
سیوے نہ کنچن نرست سمست دیبیا
شلیکھنم وسے مدھر مدعیہ بتجے وَرسنزی
دیوی ھردے سمپرتیہ سے کل کا مدیوُ ۔
لکھشمی وَشی کرنہ چوُرنہ سہیو درانی
توت پاد پنکجہ رجام سیہ چیرم جینے
بانی بیہ نام ملیتا نیہ نرنام تلاٹھے ۔
لم پن تہ دیوہ لکھشتا نیہ دراکھشر لنے

या द्वादशार्कपरिमंडित मूर्तिरेका,
सिंहासनस्थितिमती मुरगैर्वृतां च ।
देवी मनक्षगतिमीश्वरतां प्रपन्नां,
तां नौमि भर्गवपुषीं परमार्थ राज्ञीम् ॥ ९ ॥
यस्या प्रभावमतुलं भगवाननन्तो,
ब्रह्मा हरश्च नहि वक्तुमलं बलं च ।
सा चण्डिकाखिल जगत्परिपालनाय,
नाशाय चाशुभफलस्य मतिं करोतु ॥ १० ॥
त्वमेव माता च पिता त्वमेव,
त्वमेव बन्धुश्च गुरुस्त्वमेव ।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव,
त्वमेव सर्वं मम देव देव ॥ ११ ॥
माता भवानी च पिता भवानी,
बन्धुर्भवानी च गुरुर्भवानी ।
विद्या भवानी द्रविणं भवानी,
यतो यतो यामि ततो भवानी ॥ १२ ॥
मातर्नमामि कमले कमलायताक्षि !
श्री विष्णु हृत्कमलवासिनि विश्वमातः ।
क्षीरोधजे कमल कोमलगर्भ गौरि
लक्ष्मी प्रसीद सततं नमतां शरण्ये ॥ १३ ॥

(۸) بادۄادشار کہ پرہ منڈنہ مور تربکا
سمہاشنا نخنتم اہتم اور گے دیہ تام چھ
دلویم آلکھۂ گنتم الیشور نام ہیرن نام
توام نوتیہ بھرگہ وپوشیم پرمارتھ راگنیم

(۹) لیبا پرھاوم اہلم بھگوان اننتو
برھما ہرشچہ نہ دہ وکنتو ملم بلم چھچہ
ساچینڈ کا کیلہ جگت پرپا لنائے
ناشایچا شوبھ بھلیبیہ ہنتم کرو تو

(۱۰) توم ایوہ ماتا چہ پتا توم ایوہ
توم ایوہ بندھوشچہ گورو توم ایوہ
تو ایوہ ودیھیا دردینم توم ایوہ
توم ایوہ سروم ممہ دلوہ دیوی

(۱۱) ماتا بھوانی چہ پتا بھوانی
بندھور بھوانی چہ گورور بھوانی
ودیھیا بھوانی دردینم بھوانی
ہنتو ہنتو باہیہ ننتو بھوانی

(۱۲) مانز نماہیہ کملے کملا بیتا گرھی
ہنزی ولشتو بھرت کملہ واسینہ ولنیو ماتا
کھیرو دبھجے کملہ کوملہ گربھ گوری
لکھشمی پرسید سنتتم نمتام سشرینے

श्री शारिके शरण्ये त्वं मयि दासे कृपां कुरु ।
ऋणं रोगं भयं शोकं रिपून्नाशाय सत्वरम् ॥१४॥
अघोर व्याधिनाशा च घोर दुःख विनाशिनी ।
अष्टादश भुजा देवी शारिका श्याम सुन्दरी ॥१५॥
सर्वतीर्थमयी मूर्तिः सर्वदेवमयी प्रभा ।
सर्वसिद्धि प्रदा शक्तिः सर्वमङ्गल मङ्गला ॥ १६ ॥
सर्वमङ्गलमङ्गले शिवे सर्वार्थ साधिके ।
शरण्ये त्र्यम्बिके गौरि नारायिणि नमोऽस्तुते ॥ १७ ॥
शरणागत दीनार्त परित्राण परायणि ।
सर्वस्यार्ति हरे देवि दुर्गे देवि नमोऽस्तुते ॥ १८ ॥
महाबले महोत्साहे महाभय विनाशिनि ।
त्राहि मां देवि दुष्प्रेक्षे शत्रूणां भयवर्धिनि ॥१९॥
अचिन्त्य रूप चरिते सर्वशत्रु विनाशिनि ।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि ॥२०॥
विद्यावन्तं यशस्वन्तं लक्ष्मीवन्तं च मां कुरु ।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि ॥ २१ ॥
सर्वबाधा प्रशमनं त्रैलोक्यस्याक्षरे श्वरि ।
एवमेव त्वया कार्यं अस्मद्वैरि विनाशनम् ॥ २२ ॥
शब्द ब्रह्म मयि ! स्वच्छे देवि त्रिपुर सुन्दरि ।
यथा शक्ति जपं पूजां गृहाण परमेश्वरि ॥ २३ ॥

شری شارکی سشرنیے ژوم میہ داسی کرپا کورٕد
زنم روگم بھیم شوگم زین ناشے ستیوٕرم
اگھور دیا دھنا ستی چہ گھور دُکھ وناشنی
اشٹادشہ بھوجا دیوی شارکا شیام سندری
سرو نیرنتھ ہمئ موٗرتے، سرو دیوسی برمھا
سرو سندھہ پردا شکتے سرو منگلہ منگلا
سرو منگل منگلے شیو سرو ارتھ سادھکے
ششرنیے ترومبکے گوری نارائنی نموستوتی
ششر ناگتہ دیناُرتہ پر ترانہ پرائنے
سرو سیا اَرتہ ھرے دیوی ڈرگے دیوی نموستوتے
تھاہلے مھوت ساہے تھا ھتیہ وناشنی
تراہھی مام دیوہ دُش پریکھے ششترونام بھجے وردنی

اجیننہ روپ چرتے سرو سترو وناشنی
رُدِم دیہہ جیم دیہہ لیشو دیہہ وشو جھی
ودھیا دنم لیشہ شٹو ستم لکھشمی دنتم چہ مام کورُد
رُدِم دیہہ جیم دیہہ لیشو دیہہ وسشو جھہ
سرو مادھا پرشہ منم تریلو کسیا کھرے شوری
الوم ایوہ تویا کاریہ اسمت ویری وناشنم
شبد برھمہ مئی شوبھے دیوی ترپورسندری
یتھا سکینہ جیم پلوجام گرہانہ پرمیشوری

नन्दन्तु साधकाः सर्वे विनश्यन्तु विदूषकाः।
अवस्था शाम्भवी मेऽस्तु प्रसन्नोऽस्तु गुरुः सदा ॥२४॥
दर्शनात्पापशमनी जन्मान्मृत्युविनाशिनी।
पूजिता दुःख दौर्भाग्य हरा त्रिपुर सुन्दरी ॥२५॥
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं विधिहीनं च यद्गतम्।
त्वया तत्क्षम्यतां देवि कृपया परमेश्वरि ॥२६॥
आह्वानं नैव जानामि नैव जानामि पूजनम्।
विसर्जनं न जानामि क्षम्यतां परमेश्वरि ॥२८॥

उभाभ्यां जानुभ्यां पाणिभ्यां शिरसा उरसा मनसा
वचसा नमस्कारं करोमि नमः।

## ओं नमो ब्रह्मणे तर्पणम्

नमो ब्रह्मणे नमोऽस्त्वग्नये नमः पृथिव्यै नम ओषधिभ्यो
नमो वाचे नमो वाचस्पतये नमो विष्णवे बृहते कृणोमि
इत्येतासां देवतानां सायुज्यतां सारिष्टतां सालोक्यतां
सामीप्यतां स्वाध्यायमंत्राः प्रीताः प्रीताः सन्तु ॥

ओं सहनाऽवतु सहनौ भुनक्तु सह वीर्यं करवावहै
तेजस्विनावधीतमस्तु मा विद्विषावहै ओं शान्ति ३

ننار نتو سادھکا سروے ولسنفو ودُو شکا
اوسنفا شاھجوی منیتو پرسنوسنو گورو سدا!
ورِ شناف پاپ ششمنی بھیان مرتبوٗ وناشنی
پوٗجنا دُوکھ دور بھاگے ھترا تمہ پدرسندری
منتر مینم کریا ھینم ودھ ھینم جپ ہیت گنم
تو بانت کھیمہ تام دلبوی کرپیا پرمیشوری
آوا ھنم نیوہ جانامی نیوہ جانامہ پوجنم
دسترجنم نہ جانامی کھمیتام پرمیشوری

ادجا بھیام جانو بھیام پانی بھیام منزسا ورسا ادرسا
منساو تسا غسکادم کرومی نمہ

ادم نمو تربینم

نمو برھمنے۔ نمو استو گنے نمہ پرتھویے نمہ اوشدیھ
بھیہ نمہ نمو واچے نمو واچیس پتئے بیٔے نمو وشنوے۔
برہتے کرومی ہیتے تاسام دیوتا نام سایوجنام سایہ
ورتنام سالوکتام
سامی پتام سُوادھیایہ منزا پرنیا پرتیا سنتو
ادم سہا ادتو سہفو بونکتو سہیہ ویرمکروا ویہے
تیجسنام ادھی تم استو ما ودیشا دیہے۔ ادم شانتی، ادم شانتی
ادم شانتی۔ ستبا سنتو بجانتے کامہ۔

सत्या सन्तु यजमानस्य कामा ।

मामैकं द्रुमनो विचिन्त्य बहुधा यामीह्निरं यातना,
नामी न प्रभवन्ति पापरिपवः स्वामी ननु श्रीधरः ।
आलस्यं व्यपनीय भक्तिसुलभं ध्यायस्व नारायणं,
लोकस्य व्यसनापनोदनकरो दासस्य किं न क्षमः ॥

पूजितोऽसि मया भक्त्या भगवन्कमलापते ।
स लक्ष्मी कौ मनस्यान्तर्विप्रव विश्रान्तिहेतवे ॥

ओं चन्दनं च महापुण्यं,
पवित्रं पापनाशनम् ।
आपदा हरते नित्यं,
लक्ष्मी भवतु सम्पदा ॥

॥ शुभम् ॥ भद्रम् ॥ कल्याराम् ॥

इति शम्

मुद्रितः-
रॉयल बुक बाँइडिंग हाऊस
ब्राँचः-'बंसी आर्ट प्रेस'
मत्यू बरबरशाह, श्रीनगर (कश्मीर)